**ग्रामीण कृषि मौसम सेवा**
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

# मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

**दिनांक:11.10.2024**

**उधम सिंह नगर(उत्तराखंड ) के मौसम का पूर्वानुमान – जारी करने का दिन :2024-10-11 ( अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)**

| मौसम कारक | 12/10/2024 | 13/10/2024 | 14/10/2024 | 15/10/2024 | 16/10/2024 |
|---|---|---|---|---|---|
| वर्षा (मीमी) | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 | 0.0 |
| अधिकतम तापमान(से.) | 33.0 | 33.0 | 32.0 | 32.0 | 31.0 |
| न्यूनतम तापमान(से.) | 18.0 | 18.0 | 17.0 | 17.0 | 16.0 |
| अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता(%) | 75 | 75 | 75 | 75 | 75 |
| न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता(%) | 35 | 35 | 35 | 35 | 35 |
| हवा की गति (किमीप्रतिघंटा) | 7 | 6 | 5 | 4 | 4 |
| पवन दिशा (डिग्री) | 320 | 320 | 320 | 320 | 320 |
| क्लाउड कवर (ओक्टा) | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |

**समसारांश / चेतावनी:**

पिछले सप्ताह (4 से 10 अक्टूबर) क्षेत्र में वर्षा नहीं हुई तथा अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 32.5 से 33.9oC और 20.9 से 23.4oC रहा। सुबह और शाम की सापेक्षिक आर्द्रता क्रमशः 80-94% और 51-63% के बीच रही, जबकि हवा पश्चिम, पश्चिम-उत्तर-पश्चिम, उत्तर-पश्चिम, दक्षिण-पूर्व-दक्षिण से 0.8-2.6 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली। पिछले सप्ताह अधिकांश दिन साफ रहे। आगामी पूर्वानुमान के अनुसार 11-15 अक्टूबर के बीच वर्षा नहीं होगी तथा अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 31.0-33.0oC और 16.0-18.0oC रहने की उम्मीद है। हवा उत्तर-पश्चिम से 4-7 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने की उम्मीद है। 11 से 15 अक्टूबर तक शुष्क मौसम रहने की संभावना है।

**सामान्य सलाहकार:**

छेत्र में मौसम की स्थिति के बारे में नियमित अपडेट के लिए, किसान "मेघदूत" ऐप से अपडेट प्राप्त कर सकते हैं और गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉ इड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) पर उपलब्ध दामिनी" ऐप सेबिज ली की स्थिति के बारे में अपडेट प्राप्त कर सकते हैं। एनडीवीआई राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों में 0.35-0.60 के बीच अच्छी कृषि शक्ति दर्शाता है। 11.10.2024 से 17.10.2024 के दौरान भारी कमी वाली वर्षा और सामान्य अधिकतम-न्यूनतम तापमान की प्रवृत्ति है।

**लघु संदेश सलाहकार:**

आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, आगामी सप्ताह में मौसम साफ रहने की उम्मीद है, इसलिए आवश्यकतानुसार सिंचाई की जानी चाहिए और अनुशंसित कृषि पद्धतियों का पालन किया जाना चाहिए।

**फ़सल विशिष्ट सलाह:**

| फ़सल | अवस्था | फ़सल विशिष्ट सलाह |
|---|---|---|
| चावल | परिपक्वता/ अनाज भरना | देर से पकने वाली किस्मों में, दाना भरने की अवस्था के दौरान सिंचाई करें और तदनुसार कीट/बीमारी के खिलाफ रसायन का छिड़काव करें। |
| गन्ना | परिपक्वता/बुवाई | खड़ी फसल में कंडवा रोग के हमले की नियमित रूप से निगरानी करें और सिंचाई करें जिससे गन्ने का वजन बढ़ाने में मदद मिलती है।<br>शरद ऋतु की बुआई अक्टूबर के मध्य तक पूरी कर लेनी चाहिए और प्रमुख रोगों के प्रति प्रतिरोधी उपचारित गन्ने का उपयोग बुआई के लिए करना चाहिए। |
| मक्का | परिपक्वता/तुड़ाई | परिपक्व भुट्टों में उचित कृषि उपायों द्वारा पक्षियों के हमलों से बचें। भुट्टों की तुड़ाई तब करनी चाहिए जब वे पीली पत्तियों से ढके हों। |
| मूँग<br>काला चना<br>सोयाबीन | फली बनना/ परिपक्वता | पकने वाली दलहनी फसल की तदनुसार कटाई की जानी चाहिए और सूखने के लिए रखा जाना चाहिए। फसल को 2-3 दिन तक सुखाकर फिर गहाई करके भण्डारण करना चाहिए। |
| अरहर<br>(लाल चना/अरहर) | फूल/ फली बनना | फलियों में दाना बने पर हल्की सिंचाई करें और कीट/रोग के लिए मुयाना करते रहे। सफेद मक्खी द्वारा प्रसारित पीले मोज़ेक वायरस की उपस्थिति पर, पाइरीप्रोक्सीफेन 10 ई.सी. 0.5 लीटर/हेक्टेयर की दर से 500-600 लीटर पानी में मिलाकर 10-12 दिनों के अंतराल पर डालें। किसानों को पीला मोज़ेक वायरस के प्रति प्रतिरोधी किस्मों का उपयोग करना चाहिए । |
| मूँगफली | खूटियां या फलिया बनना/ परिपक्वता | पेगिंग या फली बनने पर आवश्यकतानुसार सिंचाई करते हुए मिट्टी में पर्याप्त नमी बनाए रखनी चाहिए। समय पर बोई गई फसल को खोदकर और सुखाकर भंडारित कर लेना चाहिए। |
| तिल | वनस्पतिक विकास | फाइलोडी फाइटोप्लाज्म के कारण होता है जो पौधों, फूलों और पत्तियों के आकार को गुच्छों में बदल देता है और पौधे के हॉपर द्वारा फैलाया जाता है। फसल की समय पर बुआई, मिथाइल-ओ-डिमेटॉन 25 ई.सी. दवा का 1.0 लीटर/हेक्टेयर का 10-15 दिनों के अंतराल पर छिड़काव और प्रभावित पौधों को जलाने से इसे रोका जा सकता है। |
| राई एवं तोरिया (लाही) | बुवाई | तोरिया की बुआई अक्टूबर के पहले सप्ताह तक और पीली सरसों/राई की बुआई अक्टूबर के पहले पखवाड़े तक करनी चाहिए। |
| बरसीम | बुवाई | बुवाई अक्टूबर के प्रथम पखवाड़े में करनी चाहिए। अधिक चारे के उत्पादन के लिए यूपीबी-110, मास्कावी, पूसा जयंत, बरदान जैसी किस्मों का चयन करना चाहिए और बुआई से पहले बीज को राइजोबियम उपचारित करना चाहिए। |

**बागवानी विशिष्ट सलाह:**

| बागवानी | अवस्था | बागवानी विशिष्ट सलाह |
|---|---|---|
| गोभी | परिपक्वता/वानस्पतिक | अगेती किस्मों की तुड़ाई कर उन्हें उपभोग के लिए बाजार में भेजना चाहिए। मध्य किस्मों में यूरिया की टॉप-ड्रेसिंग की जानी चाहिए और निराई, गुड़ाई और सिंचाई जैसी नियमित प्रथाओं की निगरानी की जानी चाहिए। |
| मूली/ गाजर/ चुकंदर | बुआई/अंकुरण | खेत में मिट्टी की नमी बनाये रखनी चाहिए तथा फसल की नियमित निराई-गुड़ाई एवं विरलीकरण करते रहना चाहिए। |

| | | |
|---|---|---|
| पालक/ मेथी | बुआई/अंकुरण | पत्तेदार सब्जियों के लिए बुवाई  का यह सबसे अच्छा समय है। पूरे फसल मौसम में 3-4 सिंचाई आवश्यक है और इस अवधि के दौरान मिट्टी में नमी बनाए रखी जानी चाहिए। |

**पशुपालन विशिष्ट सलाह:**

| पशुपालन | पशुपालन विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| गाय/भैंस | गाय/भैसों को प्रजनन से पूर्व विब्रियोसिस-एल-5, आई.वी.आर., बी.वि.डी., पैराइनफ्लुएन्जा आदि के टीके संयुक्त रूप से या अलग-अलग लगवाए। |